दूरस्थ शिक्षा विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

रोनो हिल्स, दोइमुख

ईटानगर

स्नातक कला पाठ्यक्रम

हिन्दी

वर्ष २०१४-१५ से प्रभावी

दूरस्थ शिक्षा विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

स्नातक कला हिन्दी पाठ्यक्रम

वर्ष २०१४-१५ से प्रभावी

प्रथम वर्ष	BHIN-101	सामान्य हिन्दी-१
द्वितीय वर्ष	BHIN-102	सामान्य हिन्दी-२
तृतीय वर्ष	BHIN-103	हिन्दी गद्य
चतुर्थ वर्ष	BHIN-104	भारतीय काव्यशास्त्र और भाषा विज्ञान

स्नातक कला- प्रथम वर्ष

हिन्दी स्नातक BHIN-101

सामान्य हिन्दी- एक

यह प्रश्नपत्र प्रथम वर्ष में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र पांच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के लिये अलग-अलग अंक निर्धारित हैं।

इकाई : १ **हिन्दी साहित्य का इतिहासः** हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण; आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की परिस्थितियां एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई : २ **कविता**

पाठ्य-पुस्तक : काव्य गौरव; सम्पा.- रामदरश मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

० कबीरदास : पाठ्य-अंश- साधु को अंग।

आलोचना- भक्ति एवं सामाजिक पक्ष।

० सूरदास : पाठ्यांश- विनय के पद तथा वात्सल्य (गोकुल लीला) से प्रथम तीन पद।

आलोचना- वात्सल्य एवं भक्ति।

० जायसी : पाठ्यांश- पदमावत : उपसंहार खण्ड; प्राचीन काव्य संग्रह, सम्पा.- राजदेव सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

० तुलसीदास : पाठ्यांश- पद संख्या १, ६ एवं ८।

आलोचना- भक्ति-भावना एवं समन्वयवाद।

इकाई : ३ **कविता**

० मीराबाई : मीराबाई की पदावली; सम्पा.- परशुराम चतुर्वेदी; पद संख्या- १०, १७, १८, ३५।

आलोचना- मीरा की भक्ति एवं विद्रोह भाव

० बिहारीलाल : पाठ्यांश- भक्तिः दोहा संख्या- १, ५, ६; नीति- २, ३; नायिका वर्णन- २, ४ तथा विरह- ५।

आलोचना- काव्यगत विशेषताएं तथा बहुज्ञता।

० घनानन्द : घनानन्द के पद; प्राचीन काव्य संग्रह; सम्पा.- राजदेव सिंह; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; पद सं.- १, ३, ११, १२

आलोचना- घनानन्द का प्रेम एवं भक्ति, रीतिमुक्त कवि के रूप में घनानन्द का मूल्यांकन।

० मैथिलीशरण गुप्त : भारत की श्रेष्ठता

आलोचना- काव्यगत विशेषताएं, राष्ट्रीय चेतना।

इकाई : ४ व्याकरणः

पाठ्य-पुस्तकः आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- वासुदेवनन्दन प्रसाद सिंह

पाठयांश- लिंग, कारक, वचन, काल, वाक्य-शुद्धि, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द तथा मुहावरे एवं लोकोक्तियां

इकाई : ५ निबन्ध

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध-लेखनः

० विज्ञान से सम्बन्धित विषय।

० समसामयिक विषय।

० अरुणाचल प्रदेश से सम्बन्धित विषय।

० हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं से सम्बन्धित विषय।

निर्देशः

१. इकाई एक से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। उत्तर १५ अंक का होगा।
२. इकाई दो एवं तीन से दो पद्यांशों की व्याख्याएं तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। इनके विकल्प भी रहेंगे। व्याख्याएं ८-८ अंकों की होंगीं तथा प्रश्न १२-१२ अंकों के होंगे।
३. इकाई तीन से चार-चार अंकों के पाँच प्रश्न (कुल २० अंक) पूछे जायेंगे।
४. निबन्ध-लेखन के लिये १५ अंक निर्धारित किये गये हैं।

स्नातक कला- द्वितीय सत्र

हिन्दी स्नातक BHIN-202

सामान्य हिन्दी- दो

यह पत्र द्वितीय वर्ष में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के लिये अलग-अलग अंक निर्धारित हैं।

इकाई : १ हिन्दी साहित्य का इतिहासः

आधुनिककालीन काव्य- भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा स्वातन्त्र्योत्तर कविताः परिचय तथा प्रवृत्तियाँ।

इकाई : २ कविताः

० जयशंकर प्रसाद : पाठ्य कविताएं- अरुण यह मधुमय देश हमारा; हिमाद्रि तुंग शृंग से

आलोचना- काव्यगत विशेषताएं; प्रसाद-काव्य में जागरण के स्वर

० सुमित्रानन्दन पन्त : पाठ्य कविताएं- पर्वत प्रदेश में पावस; अनित्य जग

आलोचना- पन्त-काव्य में प्रकृति; छायावादी काव्य भाषा और पन्त

० सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : पाठ्यांश- वह तोड़ती पत्थर, भारति! जय विजय करे!

आलोचना- छायावाद और निराला; निराला काव्य में क्रान्ति और विद्रोह के स्वर।

० महादेवी वर्मा : पाठ्यांश- विरह का जलजात जीवन, रूपसि तेरा घन केशपाश।

आलोचना- विरह वेदना, छायावादी तत्त्व।

इकाई : ३

० नागार्जुन : पाठ्यांश- उनको प्रणाम, अकाल और उसके बाद।

आलोचना- जनकवि नागार्जुन, काव्यगत चेतना।

० अज्ञेय : पाठ्य कविताएं- सांप के प्रति; बावरा अहेरी; छब्बीस जनवरी।

आलोचना- प्रयोगवाद और अज्ञेय

० मुक्तिबोध : मुझे कदम कदम पर

आलोचना- मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताएं

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : पाठ्य कविताएं- सुहागिन का गीत; सौन्दर्य बोध।

आलोचना- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का काव्य-सौष्ठव

इकाई : ३ व्यवहारिक हिन्दी

पत्र लेखन- प्रभावी पत्र लेखन की विशेषताएँ, पत्र लेखन के प्रकार- सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, व्यवहारिक पत्र, व्यापारिक पत्र।

संक्षेपण, पल्लवन एवं टिप्पण।

इकाई : ४ अनुवाद

अनुवाद : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार, अनुवाद के गुण, अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद।

पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ एवं परिभाषा; पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएं; चुने हुए १५० पारिभाषिक शब्द।

निर्देशः

१. इकाई एक से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। उत्तर १५ अंकों का होगा।
२. इकाई दो से एक पद्यांश की व्याख्या तथा एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा। इनके विकल्प भी रहेंगे। व्याख्या ८ अंक की होगी तथा प्रश्न १४ अंक का होगा।
३. इकाई तीन से एक पद्यांश की व्याख्या तथा एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा। इनके विकल्प भी रहेंगे। व्याख्या ८ अंक की होगी तथा प्रश्न १४ अंक का होगा।
४. इकाई चार के लिये १५ अंक निधारित किये गये हैं। इस इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रश्न का विकल्प भी रहेगा।
५. इकाई ४ से १०-१० अंकों के दो प्रश्न पूछे जायेंगे। एक प्रश्न अनुवाद की सैद्धान्तिकी से सम्बन्धित होगा या इसमें अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कराया जायेगा और दूसरे प्रश्न में कम-से-कम १० पारिभाषिक शब्द पूछे जायेंगे।

स्नातक कला- तृतीय सत्र

हिन्दी स्नातक BHIN-303

हिन्दी गद्य

यह प्रश्नपत्र तृतीय वर्ष में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र पांच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के अंक अलग-अलग निर्धारित हैं।

इकाई : १ हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहासः

उपन्यास, नाटक, एकांकी, कहानी और निबन्ध का उद्‌भव और विकास।

इकाई : २ उपन्यास

पाठ्‌य पुस्तक : महाभोज- मन्नू भण्डारी

आलोचना के बिन्दु- 'महाभोज' में राजनीतिक चेतना; 'महाभोज' उपन्यास में दलित चेतना; औपन्यासिक तत्वों के आधार पर उपन्यास की समीक्षा

इकाई : ३ नाटक :

पाठ्‌य-पुस्तक : कबिरा खड़ा बाजार में- भीष्म साहनी।

आलोचना के बिन्दु : भीष्म साहनी की नाटक कला; 'कबिरा खड़ा बाजार में' का प्रतिपाद्य; 'कबिरा खड़ा बाजार में' की समीक्षा।

इकाई : ४ कहानी :

पाठ्‌य कहानियाँ-

पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद

पूस की रात- प्रेमचन्द

परदा- यशपाल

वापसी- उषा प्रियम्वदा

आलोचना के बिन्दु : कहानियों की समीक्षा तथा सारांश।

इकाई : ५ विविध विधाएँ :

पाठ्‌य रचनाएँ-

मित्रता (निबन्ध)- आ. रामचन्द्र शुक्ल

प्रथम भेंट-अनितम भेंट (रेखाचित्र)- महादेवी वर्मा

बसन्त आ गया पर कोई उत्कण्ठा नहीं (ललित निबन्ध)- डॉ. विद्यानिवास मिश्र

नया समाज (एकांकी)- हरिकृष्ण प्रेमी

आलोचना के बिन्दुः रचनाओं का सारांश एवं समीक्षा।

निर्देशः

१. प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रश्नों के विकल्प भी होंगे। प्रत्येक प्रश्न १५ अंक का होगा। 15x5=75 अंक

२. इकाई दो, तीन तथा चार से दो-दो काव्यांश व्याख्या हेतु दिये जायेंगे, जिनमें से एक-एक की व्याख्या विद्यार्थियों को करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिये ७.५ अंक निर्धारित हैं।

7-5x2=15 अंक

स्नातक कला- तृतीय वर्ष

हिन्दी स्नातक BHIN-404

भारतीय काव्यशास्त्र एवं भाषा विज्ञान

यह पत्र तृतीय वर्ष में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र पांच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के अंक अलग-अलग निर्धारित हैं।

इकाई : १ **काव्यशास्त्र :**

काव्य लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य के गुण-दोष।

इकाई : २ **काव्यशास्त्र :**

रस- सभी रसों का सामान्य परिचय; रस निष्पत्ति; रस के अवयव।

इकाई : ३ **काव्य शास्त्र :**

छन्द और अलंकार

(क) छन्द-

छन्द की अवधारणा; छन्द के अवयव; मात्रा की स्थिति; कविता में छन्द का स्थान।

दोहा, सोरठा, चौपाई, गीतिका, रोला, बरवै, कुण्डलिया तथा सवैया छन्दों के लक्षण और उदाहरण।

(ख) अलंकार-

अलंकार की अवधारणा; अलंकारों का काव्य में स्थान; शब्दालंकार; अर्थालंकार।

अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा तथा सन्देह अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण।

इकाई : ४ **भाषा विज्ञान तथा देवनागरी लिपि**

भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ, भाषा और बोली में अन्तर, भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक तथा तुलनात्मक)।

देवनागरी लिपि तथा उसकी विशेषताएँ।

इकाई : ५ भाषा विज्ञान

स्वर स्वनों का वर्गीकरण; व्यंजन स्वनों का वर्गीकरण; स्वन परिवर्तन की दिशाएं और कारण; हिन्दी की बोलियों का सामान्य परिचय।

निर्देशः

१. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से १४-१४ अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा।
14x5=70 अंक

२. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से ४-४ अंक के पांच लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं पांच का उत्तर देना होगा। 4x5=20 अंक